ॐ

बफात नामो

ॐ

बफात नामो

ॐ
" बफात नामो "

॥ श्री सद्‌गोर ब्रम्हा वाचा सत्य छे ॥

ॐ फर्मानजी बिस्मिल्लाहिर्रे हमानिर्रहीम.
कायम जात खुदाकी जान , आलाकी मीन कुलेफान .
दुनीया हदी जाने तुं , ईतना दीलमे आने तुं .
जे जनीयासो मरने कुं , जो थडीया सो पडने कुं.
सारे कुं है गीये रहा , क्या फकीरा आवर क्या शाह.
नबी जैसा कोई न होता , तनभी उनका गोरमे सुता.
मवत तो आखर आवेगी , दुनीया थी छुडावेगी.
थोडा दील दुनीया पर धरो , मवत तमारी भी याद करो.
मवत शीरपर ठाडी जान , दुनीया खुवाबकी वाडी जाणो.
उसमे दो दरवाजा होवे , अेक थी पेट तमासा जोवे.
दुजे थी जब निकले बाहर , तमासा उनका जाय बीसार .
दुनीया कुंभी येउं पछानो , ताबीर उसकी दीलमे आनो.
तमकुं कामन आवे काई , खुबी दीलसे देखो जाई .
नेकी उपर उमद तम धरो , बदी करने से बहोत डरो.
पयार नबी यारो चाहो , बफावत नामे पर कान लागावे !
जारी दीलसे बहोत करो , रोरो आजुं भोमे धरो.
तो ही कुछ प्यार नबीका पावो , नबी रसुलपर वारी जावो.

खुदा मेरीकुं याद करो , बफाते नामे की बात पढो .
नबी दुनीया थी चले मगर , त्रेसट बरस की जद हुई उमर.
मवत नबीकुं मालुम हुई , नबीने तब हदीसा कही.
ईल मवत जीस शिर नहीतबीब , युसलल हबी बाईलल हबीब.
जा आसीयाके आबैठे जब , बडे यारो कुं कीये तलब.
यारोकुं जब पोची खबर , सबके दीलमे पडी फीकर .
हम सारोकुं बुलाये क्युं , अल्ला खैर कीजे तुं .
चले सीताबी यार तमाम , जब आन पोचे उनके मुकाम .
नबीने उनपर कीधी नजर , आखो आजुंल आयेभरकर.
रसुल खुदाके बंदे टुकटुक रोये , जब यारो कुं नैने जोये.
नबीके दीलमा फीकर पडी , जब मवत आपसकी यादकरी .
दीनसे मै आज फीराक हुवा , आज कल उनसे होउंगा बीदा .
कोई यारोने दूरसे देखा जब , रोने लागे वो भी सब.
जब नबीके पास आये , हाव नबीके कदमो लादे पास आये.
हाव नबीने सबकुं गले लगाये , आपसके पास ले बीठलाये .
उमर अब तुमकुं भाईयो , वसीयतपर तुम कान लगाईयो.
अल्लाकुं तुम अेक पछानो , मुजकुं रसुल खुदाका जानो .
तुम खुदाके बंदे उपर , तमे की जो जन्हर तब कर.
मुजकुं खुदाने कह्या ह्ये , कुरान शरीफ मे लाया ह्ये .
या महमंद तुमकुं मरना , तुमारी उमतकुं भी चलना .
दुनीयामे कीसे रहेना नही , सबकुं मुज पास आना सही.
जो कुछ करे सो जारी होय , आसके आमलकुं नयने जोय.

जब थपसी येत पुरी कीती , दीनकी विलायत उनकुं दीती .
तब यारोंने पुछा रोकर , करो महमंद हमकुं खबर .
कीस दीन तुमकुं होवे बफात , हमकुं तुम कहो आज बात.
हजरतने जब दिया जबाब , तीर आजंलका पोहोचा शीताब .
उमर मेरी दुनीयासे खुटी , लंबी उमेद सब यारोंसे तुटी.
नबी कहे खुदाकने जाना , दोस्तके उपर जीव लुभाना .
जब ये बात सुनी यारोंने , रो कर तब पुछा यारोंने.
जे लाड गये सब उमत केरे , उमत तुम पर वारी फेरे .
अब तुम हमकुं दिया जबाब , कलेजा जलकर हुवा कबाब.
खुदा न करे वो वखत पोचावे , जीनत तुमारे उपर रोवे.
कहो तुम कने आवे कोन , तुमकुं आवकर नहलावे कोन.
गुसल का सुनकर नबी रसुल , दीलमे टुक टुक बहोत हुयेमलुल.
रोकर कहे ये घरके लोग , देवे गुसल न उठावे सोक.
सब यारोंने पुछा भी , कफन कैसा हम देवे नबी.
तब कहै जो मेरे पेहरु , उसका मुजको करीये कफन .
मोत सरका मुजको करीये , उजला कपडा लाईये.
वो तुम मुजे कफन पीन्हाईये.
कह्या यारों आसीयाके घर , करीयो तुम मेरी कबर .
नीमाज तुमारे जनाजेके उपर , कोन करे तुम करो खबर .
जब नीमाज का सुनीया नाम , आखो आंजु पडे जम जम .
गमगीन होकर बोले युं , सुनो यारों मै बात कहुँ .
गुसल देकर मुजकुं कफन पीन्हाईये , जनाजे भितर जब तुम बाहीये .

आसीयाके घरमे लाईयो सारे , जनाजो धरीयो कबर कीनारे.
अेक घडी तुम जाईयो बाहर , रहमत करे मुजपर करतार.
पीछे जबराईल भाई आवे , लशकर आपसके साथ लावे .
मेकाईल, ईसराफील , उनके पीछे भी ईजराईल.
सारे मुजपर नमाज करावे , अेक घडीमे फीरकर जावे.
पीछे तुम सब मिलकर आवो, टोले टोले नीमाज करावो.
मुजपर दरुद बहोत पढो , पीछे जाये कबर मे धरो.
तुमकुं रहमत करो खुदा , आराम खुशीमे रहो सदा .
दुवा मांगकर यारोंकुं , बीदा कीते उन सारो कुं .
आला कुं तुम कादर जानो , कुदरत उनकी खुब पीछानो .
आप बंदे आपसके उपर , जो चाव्हो सो करे समजकर .
अेक घडीमें देवे सुख , भी चाव्हे तो देवे दुःख .
नबी जैसे कुं दुःख लाया , जीनपर सारा जुग लुभाया .
जीनसे जुगसु हुवा अजवाला , दीन दीताईस खुदाये ताला.
हक की सुल जो हजरतकुं , पसली मे थी नीकलायुं.
दरदके जोर नबीके उपर , थंडसे तप जो आई चढकर .
जो दीनरात नबीपर आवे , हर साहत दुःख बडता जावे.
अैसी आवे तापपरताप , कोई दुखना लावे आप.
वखत असरकी पोती जब , अजा बीलालने दीती तब .
उठो हबसी नबीके गुलाम , आझाद काये अलेही स्सल्लाम.
प्यार नबीपर धरते थे , कुरबान आसकुं करते थे.
जब नींदा करे सारे सारे आज, मीले सब नीमाजी मैजत माहे.
न देखा नबी को मैजद माये , बीलालकुं पुछा सारोंने आये.

कहो बीलाल नबी है कहा , आज नही आये मैजद माहा.
बोले बीलाल मैं बात कहुं , घरमे है मेरे पैगंबर .
दरदमे उनको नही उनकुं खबर , उनका हाल खुदा आप जाने.
या महमंद आप पछाने.
यारोंने कह्या बीलाल जाव , सीताबी तुम दर हल.
जाये हबीब के पास जावो नीमाज काज बुलाकर लावो.
बीलाल नबीके घर चल आये , दरवाजे उपर उभे थाडे रहे.
बाहेर से पुकारे युंकर , आस्सल तो वस्सलानो या पैगंबर.
यार मैजदमे बैठे है , राहा तुमारी जोते है.
उठो चलो नीमाज पढावो , फारग होकर घरकुं आवो.
नबी घर मेसे दिया जबाब , खोलीयो तुजपर भिस्त के बाब.
ईतना कहेकर नबी रसुल , दुजा कुछना बोले बोल.
तेने नीमाज की खबर पोचाई , अल्ला तुंजसे करे भलाई.
बीलाल खडा दरवाजे बाहर , राहा देखुं के निकले बाहर .
नबी रसुलकुं था आजार , नही निकले दरवाजे बाहार.
बीलालने हाक मारी भी , नीमाज काज तुम आवो नबी.
जद महमंदअलेही सलाम , नामीजका तो सुनीया नाम.
घरमे सुते जबाब दीया , कहे हककी तुज पर होईये मया.
नीमाज तुमने कह्या मुझे , अल्ला रहेमत करे तुझे.
इतना कहकर बोले येना , जमीयत थी सोस करत गीरान.
बीलाल पुकारे तीजीवर , आवो महमंद घर थी बाहार .
जाये मीलो तुम यारों पास , तुम्हारी सो करते आस.
इनरोंकुं होवे मरण , जमात कुं तुम करो तरन.

नबी सुते तब थे , बेहोश गरमीसे चढीया जोस.
आवाज ना सुना हजरत आप , बीलालकुं फिरना दीया जुबाब.
तब बीलालने पुछायुं , शाहअत बहोत आजार नबी कुं.
मेरे साहेब नबी रसुल , जीनकुं जुगमे कीया कबुल .
ईनोसे जमात आज तरक जो होवे , हमकुं सारो मारग होवे.
दरवाजे थी फिरा बीलाल , चला खाककुं डाल.
बीलाल अब तेरी कटी उमेद , आब पडीया तुंदुःख के कैद .
काहे खुबी हे नही खुदा धरना , जीना हजरत थी मुजको मरणा.
ये शाहा दुनीया के भीतर , नही दे खल मै हजरत पर.
हजरत से बीलाल गये रोते , जाहा यारों सब बैठे मैजतमे हाते.
ज़ा मीले तब यारो कुं , खबर कीइ इन सारों कुं.
यारोंमे तब इ खबर , रोने लागे सब मिलकर .
रोवे अैसे पुकारे यार , जीवुं कयामत कुं हुई पुकार.
नबी जद आये हुशारी माहा , पुछे धरमे बीलाल कहा.
बीबी आशीया हाजर थे , कह्या रोते गया मैजदमें.
तब नबीने कह्या युं , सुनो आशीया मैं बात कहुं .
मेरे जीवकुं नही राहेत , उठने की नही तागत.
मैजदमा थे सारे यार , मुजवीना उनको करार.
उनकुं बीलालने कही खबर , रखे जो ते जावे मर.
ये आया तुम काम करो , आबा कुं जाकर खबर करो.
आबा बकर मसीदमे जावो , मुज बदल नीमाज पढावो.
बीबी आशीया बोल उठे , मै बल जाऊं मेरे मीठे .
आबा बकर तुमारे यार , तुम देखे बीन उनकुंन होवे करार.

जब वे जावे मैजद मोतब , तुमकुं ना देखे आप.
क्या करो तो हवे कहूँ , मै तो जा नही कहती हूँ .
कहे नबी फिरा फिरा , बीबी आशीया डाले दुरा.
मेरा बाबा आबाबकर , तुम बीना क्युं करे सबर .
क्युंकर होवे उनोकु ताकत , क्या करे झुके ईमामत.
उकासाथा कु नबीने जो जे , आबा बकर के पास जावो.
ईसा उन पास जाकर , आबा बकर कुं कही खबर .
आबा बकर तुंम मैजदमे जावो , सब यारोंको रोते राखो.
दिलासा सारोंको देकर , खडे हो रहो ईमामत पर
जब ईमामत लागे करने , अलह्मदो कुल्लाहु वल लागे पढने.
जब खाली देखे नबी जगा वे , किरात मुस्से पढीन जावे.
नीमाज मैजदमा कोईना पढे रोवे सारे खडे खडे.
गुगुंत आ काईन लाये , जानो कयामत की आई धाड.
जैसा सारोंने सोर कीया , हजरत के कानो मे आवाज पडीया.
नबी रसुल तब आसीयाकुं , बुलाया पास पुछायुं.
कहेरे आशीया मुज यार कहा , रोनो सोर है कहा.
आशीया बोले रसुल खुदा , जुगके प्यारे है तुम सदा.
सारे यारों ने आबा बकर , तुमसे हिजाब आगेरे.
तुम बीना उनकुं नही आधार , करे जारीने करे पुकार.
नबी रसुलने सुनीया जाब , सीर की पटी बांधी खैचतब.
शाह अलीके खदेता , हात फजलन के गलेमे लिता.
आस्ते आस्ते चले मैजदमाहा , तब यारोंने देखा वहाँ.

जब नबीकुं देखे सबने , जादा सोर लागे रोने .
नबीने सबकुं गले लगाये , सारों के शिर हात फिरावे.
खुशाली जद सबकुं दीथी , सारोसे ईमामत काती.
दुःख उपर ताप न लाये , सीताबी घरकुं फिरकर आये.
तापने अैसा कीता जोर , ठडोसे आंग नबीने मोडा.
आबा बकर जब घरमे आये , नबीकुं बहोत दुखमें देखा पाये.
नबीपर अेक रखा हात , छांडकर कीती बात.
रसुल तुम साहेब मेरे , अैसी ताप उनपर क्या कहर.
चादर तुमने वो वोंढी है , जानो आगपर छोडी है.
नबीने कह्या खुदाका चाहा , खुदा मेरेकुं युं खुश आया.
नबीसु मीलकर अबाबकर , गये आपके घर फिरकर.
नबीकुं नींद आई उस रात , खाबमे देखी खुदा की जात.
खुदाने कह्या महमंद मीठा , तुमतो सारे जुगके मीठा .
उठो महमंद सुबाकुं जावो , सब यारोंसु बीदा हो आवो.
जाग कर उठे नबी रसुल , हक थी बहोत टुकटुक कई मलुल.
नबी बोले है सारी रात , जब खुदासे सुनी ये बात.
गई तबलती रात तमाम , उठे नबी सुबाकुं ईमाम.
आली फजलनकुं लीई सगात , नबी मजदमा गये उनसाथ.
नबी जाकर मजदमा , जमात सुबोसे जमात नबीने कीती जब.
बीलालकुं पास बुलाया तब , नबीने बीलालकुं युंकर .
चढो बीलाल मुनारे पर.
खबर करो सब आयो यहा , मिलो मुस्लिम सब मैजदमहा .
सबके साथ बीदा होकर , पीछे जाकर घरमे कर.

बीलाल मुनारे पर चडकर , फुकार युंकी खबर .
यारो तुम मीलकर सब जावो , तुम उनकुं देखा चाहो.
तो सब मीलकर मैजदमा आवो , बीदा करोरे आकर सारे.
नबी है मैहमान तुमारे .
सारोंने खबर सुनी है जब , खल बल पडी तब.
क्या आवतने क्या मरद , दवडे आये मैजदमे सब.
असील असरत बाद गुलाम , आये सब मैजदमें बरे तमाम.
ऐसे आये सारे दवड , खुले दरवाजे आये छोड .
आन मीले सब मैजदमा सब , नबी खडे मीमपर तब.
मुनीवरोका खलके जैसा चउदमी तारीख का चॉद जैसा .
बहोत वसीयत कही उनपर , कही नबीने सारे उपर.
जो कुछ कहो नबी रसुल , सारोंने ते कहा कीया कबुल .
आखर नबीने कहा युं , सुनो भाई मै बात कहूँ .
सुनो मै तो तुम उपर था , कहो जीलमकं आदल था.
तब रोकर बोले सारे ओ लोक , कहेलावे नबी हमारे.
नबीने बात कीतीरे , कलीजे आग दीतीरे.
जैसे सिरपर बाप रहीम , या बडा भाई होये करीम.
वैसे जो तुम हमारे सीर उपर , हमवारी जाये सब तुमपर.
तुमने हमकुं दीन शिखलाया ,सारी जुगने पाया .
तुमसे केउना तुमसे , केउ ना राजी होये जैसी खुबी तुमसे जोये.
नबी रसुल ईतना सुनकर , लाये अंज ऑखो भर.
कह्या यारों तुम सुनोरे बेटे , फिरना सुनोगे बाता मेरे.

मेरा नाम महमंद जानो , अबदुल्ला मेरा बावा पछानो .
अबदुल मुतलीब मेरे दादा , हासम मेरे पर दादा.
हासम का बावा अबदुल मुनाफ , राखो यारों तुम दिलमे सखावात.
आरब आजम मेरा है मुलुकजान , खुदा राखे मामुल घरान.
मुज पीछे नबी नही कोये , याद दिलमे राखो सोये .
यारों मुज कीना आस , कंब जाउं मै खुदाके पास.
पन उमत धर बंदाया दील , वाये फर कने वाये मुसकल.
मेरी उमत गरीब नीरास , किसके जाकर बैठे पास.
अल्ला सल्लामत राखे तुं , तेरी फजल जो उमत कुं.
सुनोरे मेरी वसीयत सारी , अब है हम महेमान तुमारे.
सुनकर सारोंकु सुनाया , हाजर गये बकुं पोचाया.
हलाल कुं तुम हलाल कहीये , हराम बातसु पीछे रहीये .
नबीने सीर उचा कीता , या खुदा मेरे मीठा .
तेरा कह्या मैं सब पोचाया , मेरी उमत कुं बचन सुनाया .
पीछे सीरकुं नीच करकर , कह्या सुनोरे सब मीलकर.
मेरा मरना अवर जीवना , खुब है यारों तुमकुं कहना.
तब युंकर बोले सारे , या नबी रसुल हमारे.
जीवना तो तुमारा है महेबुब , खुब है पन मरना क्युं खुब.
तब नबीने कह्या बयान , सुनोरे सारे धरकर कान.
जीवना खुब है गायुं , तुम नीमाज करो जमातसु.
मैं तुमकुं पंदा सीकलता , दीन कीरा तुमकुं दिखलता.

मेरी मजलसमे तुं आता था ,अल्लबत्ता कुछ खुबी पाता था.
मेरा मेरा खुब है गायुं , सुनो कहू मै युकर रहू.
मै जब खुदा की दरगा जाउं , तुमारी नेकीया कबुल कराउं.
आने बदीयो कुं मै बकशाउगॉ , तुमारे काम आउगॉ .
पन मगर सेलेआदमी यो कुं हैगा ते कधी नही बकशाउगॉ.
अवल ते जो दीन मे आवे , आने कर भी कुफरमे जावे.
दुजा उनकु नही शफाअत , जो माय बाप पर उठावे हात.
तिसरा जो खुनी होवे , वो भी शफाअत मेरी ना पावे.
जो कोई अवरत हलाल करे , उसपर कोई तोमत धरे.
उसमे मेरी शफाअत ना होवे , वो भी आखर जोजख जावे.
जो कोई झुटी साहेदी देवेगा , वो भी सफाअत ना पावेगा.
छटा जो होवे बाजी खोर , वो भी सफाअतसु रहे दूर .
सातवा जे कोई पीवे शराब , वो भी सफाअत ना पावे आप.
काफर थी लडने जावे , सफाअतसे भागकर पीछा आवे.
बडाखुनी कहेलावे ते , मेरी सफाअत ना पावे वे .
नवमा जे कोई गुनाकरे , मेरी सफाअत से दूर पडे.
दसमा जो होवे जादुगीर , मेरी सफाअत ना हो उपर.
जो कोई जमातसु तरक करे , नीमाज जमातसु नही पडे.
उसकु भीन होवे सफाअत , वे जोव दोजख सैतानो साथ.
वो भी राहत से दूर होवे , जे कोई इलम दीलमा पहडसे.
जानबुजकर गुनाकरे , वो भी मेरी सफाअत ना पावे.
आखर वो भी दोजख माजावे.

जे कोई कीनका खावे माल , दोजखमे उसका बुराहे हवाल.
सोलमा जे कोई सफाअत ना पावे , जे कोई मेरी यारकुं डरावे.
वो तो राख जीपारज होवे , वो तो मेरी सफाअत ना जोवे.
पीछे नबीने कह्या युंकर , सुनो यारों सब मीलकर .
जे कोई मुजपर मागे करज , वो मुजपासे करे आरज.
मै ईसका आज करज दिलाउं , खुदाके वाहा छुटका पाउं .
आने जीसपास मेरा करज होवे , वो भी आकर मुजकु देवे.
कहेये आखर दीन है मेरा , यारों हमारा छोडो केडो.
तब दो करजदार बोल उठे , जुगके दुले मीठे.
न दी दीरम तुमने , उसरात मुज पासे ले खयेरात.
अेक दीरम मुज पर थी लीता , तुमने हे हसम कु दीता .
दुजे बोले नबी रसुल , तुमारे दुसमन के मुमे धुल.
जो साहेब आज हमकुं देवे , तो हम साहेब कयने थी लेवे .
तब नबीने आलीकुं कहायुं , जो मागे सो देवो उनाकुं .
आली बोले थे ईया ईनकु देते मैजदमा, तबमींबर परसे बोले नबी
चलो आली घर जावे आभी.
तब तुकासा मोजका बेटा , बोल उटाये महमंद मीठा .
मेरा करज तुम आज दीलावो , पीछे फरागत होकर घरकुं जावो.
हजरत ने तब युंकर कह्या , कहो उकासा करज है क्या .
तब उकासा बोले युं , सुनो नबी मै बात कहु.
अेक रोज तुम पैगंबर , सवार ते मगर कबपर.
गाव काज तुम जाते थे मै हाजर जब साते था.

सारे थे जले बदार , मै था सात रकाबदार .
तुमने उस वखत आसरवर , चाबुक लाचा मरकबपर.
उस घोडे कुं लागा नही , लागा मेरे बाजुं मेही .
वो चाबुक मैं आज नबी , तुमारे पीछे मारुं आबी.
नबीके दीलमा गीरानी आई , जब उकासाने बात सुनाई .
कहे मजकुं मारे कींव , मै चाबुक सहुगा कींव.
नबीने कहा उकासा भाई , मार जो तेरे खुश आई.
कैसा चाबुक वो थीरे , कुछ नीशानी हैगीरे.
तब उकासा बोले युं , चबडे का दुस्ता था उसकुं .
तब नबीने फाजल कुं कह्या , फातमा केवासु चाबुक ला.
फाज़ल गया फातमाके घर , हांक मारी दरवाजे पर.
या फातमा नबी की बेटी तुं , चाबुक लावो सीताबी तुं.
नबी रसुल ने मागा आप , मुजकुं लाकर दो सीताब .
बीबी फातमाने जबाब दिया , येती फाजल सीताबी क्या.
मेरे बावा कुं है आजार , केउकर होवेगे सवार .
फाजलने कह्या बीबी फातमा , नबी है गे आज मैजदमा.
सबसे आकर तो बीदा .
उकास हैगा मैजदमा , कजर तलब करता है वाहा.
कहेता है मै चाबुक मारुं , नबी से मेरा करज उतारुं.
तब बीबी बोले युंकर , न्हायालत होईयो उकासपर.
जे मेरे बावासे करे आज , सकती करते ना आवे लाज.
रोते रोते चाबुक लीता , ले फाजल के हाथमो दीता.

फाजल सीताबी चाबुक लेकर , अै सीताबी मैजल भीतर .
बीबी घर मे तलमल करे , बाहेर तो पाव केउ कर धरे.
हसेन हुसेन कुं पास बुलाये , फिराक सुन खाने गले लागाये.
या मेरे ऑखो के नुर , जावो नाना पास होना हजूर .
जहा बैठे मैजदमा जावो , नाना बदल मार तुम खावो.
हसेन हुसेन सुनीया जब , रोते गये मैजदमा तब.
नबीये फाजल थी चाबुक लीता , ले उकासा के हाथमे दीता.
उकासाने चाबुक लेकर , चडने लागा मींबरपर.
आबा बकर गये उनके पास , तुझे ना होवे खुदा की आस.
ये ती सकती सो केव करतारे , नबी रसुल सब जुगके पयारे .
उनोकुं चाबुक तुं कींव मारे , जारे नीकल तुं बाहार .
तुजे ना होवे खुदाका पयार .
नबी बोले तब मींबरपर , मैना चाहुरे आबाबकर.
जो तुं ईसकुं जुडा चाहावे , तो मुजे तुं दोजख व्हावे.
आरे उकासा तुं मुजकुं मार , तुजपर रहेमत करे गे फार.
आबा बकर तब बोले युं , सुनो उकासा मै बात कहुं .
अेक बदल मुजे मार दस , अेक चाबुक न बीकुं बकस .
वो कहे मै कीसे न मारुं , मारुं तो हजरत कुं मारुं.
उमर ने कहा ये संगीन दील , नबीपर कव करतारे मुशकल .
मुजकुं बीस चाबुक मार , बकस नबीकुं ते पाड .
तब कहे वो ये होवे कींव मारुगा मै हजरत कुं.
तब बोले उसमान , आरे उकासा हककुं मार न.
चालीस चाबुक तुं मुजकुंमार , नबी कुं अेकन मार .

तब उकासा बोले फुकार , आरे उसमान नबीके यार .
मै कीसीये कुं ना मारुं , मारुं तो हजरत कुं मारुं .
तब अली ने पकडा हात , भाई उकासा सुनरे बात .
मेरे नबीकुं है आजार , अेक बदले पचास मजकुं मार .
उकासा कहे आली शेर , हजरत कुं मै मारुं फेर .
तब हसेन हुसेन दोनो भाई , जीनसे जुगने ईजत पाई.
रोने लागे छाती भर भर , खडे रहे जा मीबंरपर .
पकड उकासा हात , रो रो कहेने लागे बात.
आरे उकासा हकके पयारे , नाना है दुखी हमारे .
सव सव हमकुं गीन गीन मार , बकस नाना कुं है आजार .
तब नबी मींबरपर , दोनो भाई काहा हात पकड .
लेकर लगाये छातीसुं , कहे ने लागे ईनोकुं .
आरे बैटा तुम कुछ मत कहो , उकासा को मारने देवो.
तुमारा नाना है खुशीयाल , जो करज लेवे आल हाल.
आरे उकासा तुं मुजकुंमार , तेरा मुज पर से करज उतार .
उकासा मींबरपर चडा , नबीके पीछे रहाखडा .
कहे ने लागा नबी रसुल , मेरी बात कुं करो कबुल .
जब तुमने चाबुक मारी थी , तब पीठ मेरी खुली थी .
पहेरन तुम आज उठावो , मेरे हात का चाबुक खावो.
ये बात जब सुनी यारोंने , ज्यादा सारे लागे रोने.
नबीने कहा उकासा यार , जीउं खुशी आवे तेउं मार .
पहेरन नबीने उठाया आप , युं कहा भाई मारो सीताब.

उकासाने कैसा कीया , हातसे चाबुक खडा कर दीया .
मो होर नबुवत आंखो भार , देखी ने वोसा दीया उसपर .
उटाकर नबीके पाव पडे , शिर नबीके कदमो धरा.
नबीसे कहेने लगा बात , कींव काटुं मेरा हात.
तुंम उपर मै हात उठाउुं , कयामत मे क्या मु दीखलाउं.
तब नबी खुशहालीसु , सब यारोंकुं कहा युं.
मुज पीछे उकासापर , रखीयो हो तुम अैसी नजर .
बेहेस्ती उकासा का नाम , दोजख कीतो आंच हराम .
ईस वास्ते अैसा फदकर , मोहरन बुवतपर करी नजर .
जब ये बात होकर ही तमाम , तब बोले रोकर नबी ईमाम.
उमर जनाई ईलवादा , ये अन सारा अल्लवीदा .
ये अमीरा ईल्लवीदा , ये दील दारा आल्लावीदा .
ये येतीमा ईल्लावीदा , ये गरीब आल्लवीदा .
ये येतीमा ईल्लावीदा , येम झारीन आल्लवीदा
ये फकीरा ईल्लवीदा , ये कबीरा आल्लवीदा .
ये अैरता अल्लवीदा , ये जई फाईलवीदा.
ये आब बकर अल्लावीदा , ये मेरा उमेरा उमरा ईल्लवीदा .
अल्लवीदा ये उसमान , ईल्लवीदा ये सेर जवान .
लबीस फर मै जाता हुँ , तम थी छे मे पाता हूँ .
वीदाका सुनकर नबी रसुल , दीलमे बहोत टुकटुक हुवे मुलुल्ल.
वीदाका सुनकर सारायार , मजदमे सब करे पुकार .
वाये महमंद मीठारे , फिरके जलापा दीतारे .
वे हमारे सीरके ताज , हमकुं तुमबीन कोई नही बाज.

तुमारा हमकुं केव होवे करार , जब जारी कर रहे तमाम.
नबीने सबकुं कीया सलाम , दुख उपर ना लावे ताप .
मैजदमेसे घर आये सीताब , अलवीदा मे मींबर मेरे.
फिरना देखु मै मुख तेरा , अलावीदाओ मजसज मेरा .
मसद मोसे घर आये सीतार , रोवे अैसे सब मीलकर .
आंजु चले मुख थी ढलकर .
पीर की रात नबी रसुल , बहोत दर दमे हुवे वे मलुल .
बीबी आसीया के घर उसरात , बेहोस थे दुखके साथ .
बीबी आसीया खीजतमत मे थे , खीजमत नबीकी करते थे.
दीवा नबी के था आगल , तेलबी गैर हुवा है गुल .
घरमे अेक दीरमना मीले , जो लावे तेलने दीवा जले.
बीबी आसीयाने रोकर , खाली कोडीया हात पकड .
ईन सेजार पडोसन थी , पास नबी के रहेती थी .
ईनके घर बीबी आसीया जाकर , ईनकुं कह्या रोकर .
ये मेरे दुख की यार , मेरे नबी है आजार .
बहोत बेहोस हुये नबी , अन दीवा बुझ गया आभी .
अेक दिरम नही मुज कने , तेने पास करती हुँ अरज .
थोडा तेल जो देवो करज , आज तेल जो देवे तो .
तो घरमे दीया जलाउं मै , दीया नबीके आगो धरुं .
जीव जानसु खीजमत करुं.
नबीके दुखका सुनीया , जाब , पडासन रोने लागी तब.
कहेने लागी बहोत रोकर , वाये वेला होईयो मुजपर .
ये हाल नबीपर गुदरे , मरे कानो खबर जो पडे.

लावेरे आसीया मै भी आउं , कोडीया तेल से भरकर लाउं.
आने सजारने कोडीया भरकर लीता , बीबी आशीया कुं .
ने कोडीया लेकर , रौसन कीया घरमे लाकर .
बीबी आसीया कहती है , हजरत दीया जलाया मै.
दीया नबी पास कर , बैठे पास खाट उपर .
क्या देखु होट नबीके , दुख साथे हलते थे .
मैने जाना नबी रसुल , कुछ पडनेमे है मसगुल .
मै नजीक जाकर कान धारा , मेरे कान मे आवाज पडा .
सुनो महमंद जुगके पयारे , कहेने लागे दुख के मारे .
या ईलायी या गफार , उमत मेरी पार उतार .
तब मैने कहा युंकर , या रसुल या पैगंबर .
ईस हालमे या नबी रसुल , उमतसे क्या करो मसगुल .
उमत क्या आवेगी काम , जींनो का तुम लेतो हो नाम .
तब नबीने कह्या युं , सेनो आशीया मे बात कहुं .
जबईजराईल आवेगा , जीव मेरा ले जावेगा .
तब उमत कुं मै दीमे धरुं , उमत उमत आद करुं.
जब आसीया मै गोरमे जाउं , कीस कुंमै आदना लाउं .
उमत उमत करुं ईस हाल , जो ईनसे हुं खुशीयाल .
आरे आसीया जब होवेगी कयामत , तब मै कहुं उमत उमत.
तो सब आकव्हेन फसान फसी , कीसीका कीसकुं ना पडोसी .
तो बी आसीया , ये उमत , दुरजबासे ना होवे उमत.
रात पीर की नबी उपर , ईस भातसुं गई गुज.

पीर का दीन जब घात , तब दुख बधाता कीता .
जीसका हुकम सब पर गालीब , मशर मगर बका है साहेब .
तब रबने कहा ईजराईलकुं , जारे नबीके पास तुं .
मेरे हबीब के पास जावो , पयारे की रुहाई कबज कर लावो .
पन मेरी तनमे कहता हुं , हबीब कने जाईये तुं .
बी गैर रजा धरमे मत जाईये तुं , रजा देवेतो रुहकुं लाईये तुं .
तब ईजराईल अले हीस्सलाम , अरब की सुरत लेकर आ खडा.
दरवाजेपर सलाम कीया दरवाजे ठोक , बोले नबीके घरके लोग.
कहो काहा गये नबी ईमाम , मेरा उनसु होवेगा काम .
रजा देवे तो धरमे आउं , बात नबीसे करके जाउं .
बीबी फातमाने जबाब दिया , बंदे खुदा कहेता है क्या .
मेरे बाबा बहुत मलुल , दरदमे बहोत है मसगुल .
जावोरे तुम अब फिरकर जावो , एक घडी पीछे फीर तुम आवो.
तब ईजराईल आले ही सलाम , कीता दुजीया कलाम .
खोलो दरवाजा मुज उपर , जान बीकुं करो खबर .
तब फातमा बोली बीबी , अब तुम जावो अरबी.
नबीकुं आपकी नही खबर , तुं आखडा दरवाजे पर .
तब ईजराईल अलेही सलाम , फुकार दस्तग की या कलाम .
खोलोरो दरवाजा आज , मुजे खुदाकी आवे लाज.
हुकम खुदाका हैगायुं , बीगर रजा मत जाईयो तुं.
नही तो तुम्हारी राहाना , बाहेर मै खडा रहेताना .
आगर तुम दरवाजे सारे , मुंद राखो मुजपर हारे.

तोबी मै घर मे जाउं , काम मेरा मै करके जाउं .
कबी नाक मुदे नेकान , तोबी मै ले जाउं जान .
मुजसु नही कीसीका नही डर , क्या रसुल क्या पैंगबर .
झार बोर के लाता हूं , सबके उपर मै जाता हुं .
सब कोई मुजसे डरता है , तमारे याद थी लडता है .
तुम पीछे आउंगा , सारे के घरमें जाउंगा .
कोई मेरा न पकडे हात , कोई आकर ना करे बात.
रजा मुजे देवो सीताब , नही तो मै आउंगा आप .
बीबी फातमाने सुनीया जाब , आ घरमे थर थराकापे तब.
रोते आये नबीके पास , धजारस चडाया सांस .
आहोबाबा कोई बाहर खडा , भुत बलाया देवे छुडा .
डरकी बाता करता है , पुकार पुकार करता है .
नबी रसुलने रोकर आप , बेटी गले लगाई सीताब.
हात फीराया सीरके उपर , रोके कहेने लागा युंकर .
आरे बेटी तुं जानती है , कोन खडा पैछान ती है .
आहो बावा मै क्या जानुं , खुदा जाने की जानो तुम.
तब नबीने कहा युंकर , आरे बेटी तुं कानो धर .
जे जो खडा दरवाजे बहार , अेक घडी मे मारे ठार .
तुरे बेटी ईल जात , बहोत तकराह करो मत .
बेटा बेटी मारे ये , दुरसगासे पाडे ये.
नही कीसीसे आप डरे , फरजंद बेटा मा बाप करे .
सबकुं बहोत जबाब देवे , भाई कुं बहोत कुडापा देवे.

फिराख सबमे आल , अेक पर अेक रोवे जाउं काल .
बहोत यारोंसे दुर पडे , बेटी उसथी सहुकाडर .
बस्ती घर उजाडे बहोत , बहोत मुलकमे पाडे खोट.
घर उजाड करे गोर भरे , कही सुहान रांडी करे.
फातमा कुं व जबाब करे , तेरा बाप ईस हाथे मरे.
आरे बेटी ये ईजराईल , जीव लेने मे ना करे ढील .
ये ईजराईल धरमे आवो , लडकी के मु लागा नाये.
तब ईजराईल अलेही सलाम , घरमे आये करी सलाम.
ये सलाम अलेकुम या नबी , जबाब नबीने दिया तबी .
अलेयेकुम सलाम या मलेकुल मोत , सकती क्या करते बहोत.
कहो भाई मीलकुं आये , के जीव लेने कुं आये.
तब ईजराईल बोले युं , हुं मीलनकुं आया हुं .
पन जीव कुंभी लेजाऊंगा , जो रजा तुमारी टुक पाउगां .
खुदाने मुजे कही है बात , रजा मै दीती नबीके हाथ .
तब जबरा ईलभी आये आल हाल ,सीतर हजार फीरस्तेकी नाल
मीकाईल भी आये सीताब , लशकर साथ लाये आप .
ईस राफील भी दवडे आये , बहोत फीरस्ते साथ लाये .
जबराईल तो घरमे थे , नबी रसुलतो सुते थे .
खडे सीराने जबराईल , जमने बाजुं मीकाईल .
डावी बाजुं ईसराफील , कदमो पास ईजराईल .
हाजर थे तब च्यारो चार , रोता था सारा परवार .
तब नबीने जीबराईल साथ , गम फीरकसु की बात.
आरे जबराईल भाईरे , जबाब तुम मुजे देवोरे .

खुदाके याहा मुज गरीबकुं , क्या क्या है मुजे करो खबर .
तब जबराईल ने कह्यायुं , सुनो रसुल बात कहुं .
भीस्तके दरवाजे सब , तुमारे काज खोले आब.
तुम काज रजावद सबहुर , जीनत माहे भरपूर .
तुंजारी हुआ सबने दीया , तुमारे काज यानबी मीया .
बेहस्त मेवा बहोत नबी , है तुमपर मुस्तग सबी.
मलायेक शफादर कयामत , मुस्तक है बडा आसमान .
कहे रसुल खुदा का पयारा आर्व , हम उपर सब वारी जावे.
हरजतने तब युंकर कहा , खुदा कीये तुम हैगी माया.
पन अज जबराईल करो बयान , मुजपर खुदा का कैसानाम .
तब जबराईल अले ही सलाम , नबीसे युं कर कहा कलाम .
खुदानेका आपसका दीदार , बहोत सवार खुसनीवार.
आज महमंद मीठ। आवे , नुर तजला जुल वा पावे .
तबहजरतने दीया जबाब , ये ता मुजपर है सबाब.
पन मुजपर खुदा का कैसा हैमन , खुब क्या है करो बयान .
तब जबराईल जबाब दीया , पुछते हो मुजे फीरफीर आये.
जो सवाल तुमने केता आज , सो जबाब मै दीता आज.
तब नबी रसुल रोये जाये , नबीगम आगे थी रोये पुकार .
बडे पीर टुक बोले नाये , नबी रोये सकत गीरीया ये .
जबराईलने तब कहायुं , नबी रसुल तुम रोये केयुं .
तुम दुनीयाथी हो बे बाक , तमतो सबथी होगे पाक .
तब नबी रसुलने कह्या युं , सुन जबराईल भाई तुं .
नही रोता मै दुयापार , नही कयामत का मुजकुंडर .

नही मुजकुं दोजक का डर , पन सुख बेहेस्त का गया बीसर.
उस काज मै नही रोता , फीर जानसु फीराक होता .
या जबरा ईलनही रोता मै , या रोकुं डर पडने सु मै .
पन रोता हुंउगा क्या , हाल मेरी उमत का क्या .
मेरी उमत बहोत गरीब , नेकी उनकी क्या नसीब.
क्या उनका होवेगा हाल , कोन उनकी करे संभाल .
पीछे नबीने कह्यायुं , सुनारे भाई जबराईल तुं.
मैतो जीवता तुम दुनीयापार , तुम रोज आवता मेरे घेर .
पन मुये पीछुबी तुम आवेगे , तब तबराई लने जबाब दीया.
सुनो महमंद मेरे मीया .
दसवार मै आउंगा , कुछ याहासे ले जाउंगा.
पैला कह्या छे दस दुवार , जाउंगा दुनीयासे लेकर .
आवल तो हुं दुनीया थी , बरकत तो मै ले जाउंगा .
दुजी वार मै आउंगा , खलकथी मोहबत ले जाउंगा.
तीसरी वार हिमत कुं , उटा ले जाउंगा दे सेहु .
सारे हो बेरहम , पांच मी बेर जब आउंगा दील उटाले जाउंगा.
दील उटा ले जाउंगा,महमंद दुजीयाके हकम सारे होवेगे जललम
सखावत उटाउंगा छटीवार, बखील होवे दुनीया फेर .
सातमीवार जब आउंगा , सबर ले उटाले जाउंगा.
घर घर फीरेगे वे सारे फकीर , रीजीक थी नही रहेगें थीर .
अमल ले जाउंगा आठमीवार , बदी कराउंगा हो आग खराब.
नवमीवार मै आउंगा कीनायेत याहासे ले जाउंगा .
कुरान न रहवे वर खोपर , काईना करे उसपर नजर .

ईलम पडे रोजगारी , तब बहोत होवगी खुवारी नवमीवार .
ले जाउंगा कुरानं , दसमीवार ले जाउंगा ईमान .
आखरी वक्त होवेगा , तब लोक ईमान खोवेगा .
रवायेत आब हुवर रहु , सुनरे कहता हम उगायु.
कोई आमारे पास न था , तब मै ईव पुछता था .
अेक दीन नबीके पास हुं , खीलबतमे बैटाउ .
या नबी सबके सरवर , आज मुज कुं तुम करो खबर.
कब होवेगा आखर जामान , उसका मुजकुं कहो नशान .
तब नबीने कह्या युं , सुनरे आब मै तुजे बात कहु.
जब आदमी आखो देखो तुं , बहोत पडहेसे वतम.
क़जा करत है वखतो कुं , तरक नीमाज करते है युं .
हलाल कुं फीर करे हराम ,उमर गमावे बुरे काम.
अयान तकरे ईमामन तमाम , अैसे कर्मोंमे जावे ईमाम.
ईन बातोंसे ईमान जावे , खुदा वो वक्त ना दीखलावे.
ईतना कहेकर नबीरसुल , दुजा युंकर बोलेबोल.
हाये क्या होवे मुज पीछे , मेरी उमत रहेगी कीउं.
मुज पीछे ईनका क्या हैवालाई , कोईना करे संभाल.
रोजा नीमाज करेगा तजा , हककी कींव कर राखे गेरजा.
तब नबी रहे गमसु , तब जबराईलने कह्या युं.
या महमंद हकके पयारे , येता बहोत तुमसे न्यारे .
खुदा तालने सभीसाथ दीया , सब नबी उपर रहेम कीया.
ने होर होर की ये तमाम , उनपर सब कीये है रहम.

जब तुम अवर तुमारी उमत , बेगम कर जावे जीनत .
ईतना नबीने सुनीया जब , खुशालीसु कह्या तब.
अल्लामुजकुं खुशाली हुई , जबमे जुमकुं बात सुनाई.
आरे भाई ईजराईल , अब मुजपर कींव करता ढील.
रुह मेरी कुं कबजकर , जैसा तुज कुं होवे वे अमल.
तब ईजराईल पास आये , पन खाट आकर उभे ठाये.
तब जबराईलने देखा दुख , जारी कर कर रोये मुख .
खडे देखकर रोये सारे , केउ गम न क्या कहवे कोये.
बहोत रोवे बीबी फातमा , बीबी फातमा रोये घना.
नहने बडे सब घरके सारे , जारीकर रोये पुकार .
रोये नबी सारे यार , रोये गमसे सारे पुकार .
नबीने बीबी फातमाहकुं , अवर आसीयाकुं कहाजो युं.
क्या फराक पडी मुजपर , या हक ताला मै रहुकीसके घर .
आरे आसीया आज फीराक हुवा , सबसे मै पडाजुदा.
आया मुजपर सारे मवत घाव कर आई रे.
आरे आसीया मेरे पर , पुरी हो रही है मेरी उमर .
आज मेरी है आखर मेरी , आज मै छोडूगा घर .
आरे आसीया आज मेरा कलम , बोलने थी हुवा तमाम.
अब आसीया तेरे घरमाही ,अवाज मेरा सुनोगे नाही.
आरे आसीया घरमे मुजकुं , आज पीछे नही देखे तुं.
बीबी सफर मै जाउंगा , फीर ईस घर नही आउंगा .
बीबी आसीयाने सुनीया जब , रोने लागे या करतब.

वा ये मेरे कासम के बाप , मुजकुं छोड चले कींव आज.
आज मुजपर लोको हो , गम फीराक होरहे घोर .
वा ये मेरे नबी उपर , खुदाने भेजी लम्बी सफर .
मेरा साहेब बली सफर , जावे मै कींव करुं सबर .
बीबी आसीया कींव रोते युं , सारे लागे रोने कुं.
बीबी फातमा रोवे फुकार , तुमथी मजकुं आधार .
आखा दुख खोलो नबी , नवासे थी टुक बोलो आबी.
आ जबाव नवासे पर , कोन पयार से करे नजर .
मेरे वाले गरीब नीरास , कीसके जाकर बैठु पास .
गोदमे ईनकुं लेवेगा कोन , गलेमे मीठी देवेगा कोन .
कोन ईनका करेगा सार , कोन ईनका पालेगा लाड .
आरे बावा हम उपर आज पीछे कींउ करे सबर.
आवो नबी उमत के पयारे , फरजंद के उचले बीसार .
बीबी फातमाबी रोकर , बावासे बोले युंकर .
भला बावा मुजकुं सीताब , आज फीरके कब होवे मीलाफ.
तब बोले युं पैगंबर , आरे बेटी तुम गम मत कर.
तेरा अवर मेरा मीलना कहा , होवेगा हवज कवसर के वाहा.
मै उमतकुं उसपर , पीलाउंगा कुजे जार जार.
तब बीबी बोले युंकर , सुनो मुसफर पैगंबर .
कभी न होवे वाहा मीलना , तब बोलो मै आउंगी काहा.
नबीने कहा मीजान पर , रहुगा बेटी तुं कान धर .
मीलेगी उमत वाहा सारी , जीसका पालडा होवेगा भारी.

तु मुजकुं देखेगी वाहा , नीगेवान उमत का मै वाहा.
तब बीबी बोले युंकर , कभी मै आउंगी जानपर .
अवर तुमकुं न पाउंगी वाहा , तब मीलने का होवेगा काहा.
तब बोले नबी हबीब , पुलस रातके उपर सीताब.
पुलस रातके उपर जब , आवे मेरी उमत मेरी सब.
तब मै होउंगा उमत कने , बेटी होउंगा काममे.
खडा पुकारु या गफ्फार , उमत मेरी पार उतार.
तब बीबी रोवे गमसु , वाये फीराक हुवा मुजकुं.
आरे फातमा हुई कोन वखत , बाप मेरे दुख हुवा सकत.
दुख आया तुमपर भारी , कलेजे मे घाव लागा करी.
हसेन हुसेन कींउ कर रहे गेरे , नाना कीसकुं कहेगेरे.
बीबीकुं तब रोनेसु , नबीने लगाई छातीसुं .
आखोमे खोसा देकर , पुछे आसु रो रो कर.
नबीने कहेये बेटी रे , काहेकुं ईतना रोतीरे .
खुदा पास मै मागुं युं , सब ले मज पीछे तुं.
दीलासा जब देरहे तमाम , ईजराईल कीया कलाम.
आरे जबराईल फीराक हुवा , उमतसे मै पडा जुदा.
तब जबराईलने कहायुं , सुनो महमंद मै बात कहुं.
खुदाने भेजा तुमपर सलाम , अवर कहा है नबी ईमाम.
तुमारी उमत क्या करे काम , उमर गमावे भुंडा काम.
मगर काम रहे वे अेक बरस , उमर दुनीया माजावे घुसं.
तोबी जाकर तो व बोकरे , दुनीया मा थी गम दीलमा धरे.

तबवा उसकी कबुल करु, खुश हो महमंद जीनेतनमा धरुं.
तब नबीने कह्या जबराईल भाई , येबात मेरे खुशीना आई .
अेक बरस मुज उमत पर , बहोत भार कींउ करु सबर.
जबराईल ईतना सुनकर , खुदा कयेने जावो फीरकर.
अगर खुदाने कह्या नबी , हादीस आछीलाया आबी .
जे कोई तुमारी उमतका होवे , बैठा दुनीया मो उमर खोदे.
मवत के आगे अेक महीना , रोवना आया नबी मीया .
तब दुनीया थी तवबा करे , तवबा की दीलमा फीकर करे.
तोबी मीया नबी रसुल , तमारी दोस्ती करुं कबुल करुं.
तब नबी कह्या जीबराईल भाई , येबी बात मेरे दीलना आई .
येबी उमत पर है बहोत , वो क्या जाने मलेक मवत .
तब जबराईलने कह्या युं , सुनो महमंद मै बात कहुं.
जो होवे तुमारी उमत का , सारी उमर गमावेगा.
जब मवत के आगे उनकुं , आठ दीन आगे रहवे युं.
तब जाकर तोबा करे , गुन्हा की गम कुछ दीलमा धरे.
तो तुमारी दोस्ती ये सरवर , गुन्हा बकसु मत करो फीकर .
तब नबी रसुल ने कह्या युं , सुनो जबराईलतुं.
आठ दीन मेरी उमतपर , बहोत पडेगी सकतगीरा.
तहेकीक मै जानता , हुं खुदा जानता हुं इनकुं जाये सदा.
फीर खुदापास जा जीबराईल , जा आ ईन कीती ढील.
कह्या अेक मासरवर , उमत की कुछ गम कर.
जीसकी उमत होवे पुरी , मवत उसपर आवे दवडी.

मवत का जबर होवे रोज , गुन्हा पर कुछ खावे सोस.
सब गुन्हा थी तवबाकरे , बकसी उपर नजर धरे.
तुमारे काज या नबी रसुल , तवबा उसकी करु कबुल .
नबीने कहा तवबा भाई , मेरी उमतपर कयाकारी .
तब जबराईल कह्यायुं अेक धडीमे लाया हुं .
अेक घडी पीछे जे मरे , हक थी दर कर तोबा करे.
तोबा उसकी करूं कबुल , बकसु उसे न करूं मलुल.
तब नबीने कह्या युं , ये बी भाई है ईकुं.
जईक उमत के सीरपर , आवोरे कुछ आसान कर.
तब जबराईल कह्या युं , सुनो महमंद मै बात कहुं .
बहोत आसान कर लाया मै आज , तुमारी उमत के काज.
जे कोई तुमारी उमत का , बहोत गुन्हेगार होवेगा.
गुन्हाशी कुछना करो फीकर , जब दुख पुरी होवे उमर .
जब मवत हकताला आगे , अैसा गाफल उसवक्त जागे.
गफलत दीलकी दुर करे , बुरे काम थी तवबाकरे .
तोबा उसकी करु कबुल , तुम खुश होवो नबी रसुल .
तब नबीने कह्या यारों , सारे मीलकर तवबा करो.
हयात तमारी आवर मेरी , तीन दमहै सकत जारी .
अेक दम जो मुसे जाता , फेर जुस्सेमे नही आता.
आवर दो दम जुस्सेमे समाया है , तीसरे की तो नही उमैद .
हकका कीसने ना जा भेद , ईतना कहेकर नबीरसुल.
भीरोनेमे हुये मसगुल , तब जबराईलने कह्यायुं.

कहो नबी तुम रोते कींउ ,
मवतसे साहेब डरते हो , दील सकत क्या करते हो.
गम गीन मत हो नबी तमे , मवत आसान करेगे आमे.
तब हजरत बोले रोकर , सुनो जीबराईल मीतर .
आरे भाई नही रोता हुं , मवत खाफ उपसु .
तहेकीक मै रोता हुं आया , हालमेरी उमत क्या .
मेरी आखो आगोरे , नीमाज रोजा कर तरे .
मेरे पीछे क्या ईतका हाल , कोन ईनका करे संभाल .
दीन मे ईनकुं लावे कोन , आमर मेरा सीकलावे कोन .
ये दीन पर कोन पडे , गुन्हा थी मना कोन करे.
भाई ये मुजे आता सोस , क्या हाल ईनका कयामत रोज.
तब जबराईलने कह्या , सुनो नबी उमत के सफी.
खुदा तेरी उमत केसीर , हुवा माफ खलीपा गम मत कर.
पकडबी सारत आहो नबी , उमत के गम गये सबी.
नबी हुई बहोत खुशीयाल , खुशालीसु बोले बोल.
आरे क्या ईजराईल , आये आभी क्या करते ढील .
तब ईजराईल आये आप , सीनेपर धरने लागा हाथ.
वे थे सब जुगके दुल्हे , ईजराईल युं कर बोले.
सुनरे भाई नेक वखत , कुछ सकती आवर ऐसा दुख .
तब क्या कह्यारे मुसाफर , येतो मुजकु पुछो हो .
जानते है गेये ही मवत , ईसमे कुछ सकती है बहोत.
नबी रसुल रोये गमसु , आज मुजे गुजरेगी कींव .

जबराईल खडे हो कह्या , लावो बोजा हकका कीया.
रोवे खडे हजरत आगे , पावसुं जी लेने लागे .
कही न जावे मुखसे बात , ये जो पीशानीपर हाथ .
गया गीसने लागा जबपाहाउ , उटाकर मुजपर रखा भार .
तब जबराईलने उटाये हाथ , आवर गमसुं युंकर कीतीबात .
सुनो नबी हकके पयारे , येता तुमपर हालकरे .
तब भी बोले पैगंबर , लावो हक का बेजा आमर .
तब ईजराईलने कीया क्या , कदमोसे बी जीव लीया .
जुस्सा सब लागा जलने , होट दोनो लागे हालने .
तब उमर सलीमा थे घरमे , पास नबीके बैठे थे .
उनके खातर गुजरा ईयुं , कोन पास लेजाड हुं.
शाअत हजरख रूजु पास , खडी दुवा पहेडते है वास .
दुवा बुजर की कानो धरूं , वीरदव जीफाद रुदपडु.
पास जाकर सुनती मै , तुम तउमत करते है .
तब मैने कह्या युंकर , मुरशदमे वारी जाउ तुमपर .
उमतकुं ईस वखतमा , क्या लाते हो दीलमा.
मैने ईतना कह्या जब , रोने लागे हरत जब.
क्या उमर सलीमा हैगी , मजुकुं दीत गम आगे.
मेरी उमत के सीरपर , मुज बीन आवर नही दीगर .
कबरमे जाउंगा , सुख नजाबासे लाउंगा.
या रब या हबीब , मेरी उमत बहोत गरीब .
आवर होवे कयामत हसर , हकपास न कहुं युंकर .
या सतर या गफ्फार , मुजसे उमत जुदामत पाडे.

सारे आबी याहा आवेगे सुख नजबासे लावेगे.
यु कहेगे नफसान फसी जनंफर जंदकीन पडे सुद.
तब मै कहुगा उमत उमत , ईलाही ईनपर करो रहमत.
जब ये हो रहे तमाम , तबये बोले आलेही सलाम.
सुनोरे भाई यो मरी बात , ईस बातमाहे गुदर जात.
जो आदमी मेरी उमत , बीगर सफाअत जावे जीनत .
अवल जो हुकम आदल करे , जावे जीनत.
दुजा जे सखावतमा मेरे , तो जावे जीनतमा.
त्रीजा जो होवे ईलम , ईलमा होवे सलाम.
वेई जावे जीनतमा , सफाअत कीने हाजतमा.
चवथा जवान जे तवबाकरे , वोई जीनतमा पाव धरे.
पांचमा जो होवे फकीर , सबरसे उसकुं होवे धीर.
छटी अवरत सालीस होवे , हुकम खसम के ताबे रहेवे.
बीगर शफाअत बेहेस्त जावे , दीदार खुदाका वोभी पावे.
हुकम खुदाका आया युं , आरे ईजराईल बेठा कींउ.
सीताब हो जीवकुं लेजावो , मेरे दोस्त कु मुजपास पहुचावो.
पीछे नबीकु सकतीसु , ईजराईलने पकडायुं.
देखा ईजराईल के मु पर , रोकर कह्या ईनकु युंकर .
छोडो ईजराईल जीवकुं , मेरा हाल संभालु हुं.
ईजराईलने छोडा जान , शाअेत नबीथे बेहोसमा आन.
बेहोस थे तो थई हुसीयार , बोले नबी हुसासा मार.
मुज सरखे काये ही हाल , क्या होवे उमत का हाये वाल.

दुटे मेरे हाडो हाड , बरस लहे मुजपर सार .
ये की नजर फावे सु आगेरे , केउं कारभार सहेगारे.
सारे ईनके सीपर भार , मेरी उमत उपर आज उतार .
सारी उमत की बात , आज राखतुं मेरी जात.
अैसा राडला हउगामै , सारा बोज सउगा मै.
नबी ईतना कह्या जब , सोस नबीने लाया तब.
कहोरे जबराईल जाकर , मेरे हबीब कुं कहो गम मत कर.
मै तो हक अल्ला होउंगा , मेरे बंदेकु बकसाउंगा.
सहेल करुंगा ईनकी मवत , तुं ईतना कींव डरता बहोत.
हकने जबराईलकुं कह्या युं , खुस हो हजरत बोलेयुं.
आब मै बहोत हुवा खुस दील , गई आब मेरी मुसकील.
भाई ईजराईल नजीक हा आव , काम तुम्हारा करकरजाव .
भाई मेरी उमत कुं , वसीअत थोडी करलेउं.
सब घरमे बैठा हथे , तमासा गम के जोत थे.
कहा नबीने सारे कुं , हल हलकार सारो कुं.
सुनो गरीब मेरी उमत , तुमारे मुसा फर की नसीयेत.
भाईये सबकुं मरना है , गोरमे जाकर पडना है.
कहती है हारोज कबर , हरअेक आदमी के उपर.
आपसके सुखन के उपर , रोज पांच बातकी करती है सोज.
आंधारा घर है सुनरे बात , दीवा ल्याई यो तेरे साथ.
मै हे जुबी फीकर का घर , गला साथ लाईयो भर .
मै हुं दोस्त कारवारडा , साथ आपसक ल्याईयो यार.
साप बीछुके मुपर , साथ लाईयो जहेर मोहर घर.

कंकर फतर का है घर हुरे , साथ बीछोना लाईयोरे .
तब नबीने कह्या सवाल , कबर का जब सुना हौवाल.
कहो रसुल हबीब खुदा , कबरका दीवा है क्या .
तब कहा नीमाजी जे होवे , करते ही वजु दीन सावे.
वो नीमाज तहजुदकी , कबर का दीवा होवेगी.
भी पुछा या रसुल अल्ला , कहो कबर का गला क्या .
तब कहा जे कोई खयेरात करे , लाख चंदा गोरमे भरे.
भी पुछा कोन होवेगा , जो आसग होये देवेगा.
हजरतने तब दीया जबाब , कुरान पडनेका बहोत. सबाब.
जे पडे सुने या हाबीब सार , उसकु कुरान होवे हुसीयार .
तब सारोंने युं पुछा , फीरसे कबर कहे क्या .
क्या जीकरसे खुब अमल , फीरसे कबर खुब अमल.
भी पुछा युं नबी खुदा , गोरमे जहेर मोहेरा क्या .
तब नबी कहे सुनो बात , कलमा पहडो तुम दीनरात .
जे मोमन कलमा पहडसे , जेहर मोहोरा उनसे होसे.
पहडसे जे कोई उसे मुदाम , गोर कयामत आवे काम.
वसीअत जब हो रही तमाम , तब ईजराईल आले ही सल्लाम.
आये नबी कदमो पास , रुहु लेनेकुं लागे खास.
नबीकी पीसानीपर , बहोत पसीना आयाभर.
पोसते थे नबी पसीनेकुं , अवर कहते जाते युं.
मुजपर मेरी उमतपर , ईल्हाई तुं आसानकर .
पानीका बदना भरकर , पास रखा पैंगबर.
पानी लेवे बदनेसु , लेले मसले छातीसुं.

आखों थी आंजु आवे , रो रो , आप कहेते जावे.
ईल्हाई तुं आसान कर , मुज पर मेरी उमतपर.
आरे जबराईल भाईरे ,दुवा खुदाकने मागोरे.
आब मुजसु कह्यान जावे , कुछ मुजपर आसान कर आव.
गया कलेज दील जलबल , मुजकु कीया करो होसल.
तब रोवे फीरस्ते सारे , नबी का दुख सुनीयारे.
रोई आसाई मस तुरन , बीबी रोया सकत गीरान.
वावा ये मेरे महमंद दीये आजार , कींव कर जीव नीकळे बाहार.
वाये मेरे कासम के बाप , हकने दुख दीता आप.
वाये मुजेन आई मवत , नबीकुं दुख कीये आये बहोत.
मुजसे कींव होये सबर , जोये दुख पैगंबर .
जब़राईल हक कने जाकर , सलाम खुदाका लेते आये.
आवर कहे कहके पयारे , साहेबने कह्या है रे.
या महमंद तुम्हारी कबर , कहो तो करु आसमानपर .
तुम चाहो तो जीनतमा , करुं कबर आछे ठाम.
जो तुम चाहो तो पैगंबर , आब कवसर मे करुं कबर.
तब हजरतने कह्या युं , सुनो जबराईल बात.
सब कबरा मुज उमत की याहां , तहकीक होवेगी ईस जुमीया .
मै उपर जा करु आराम , उमत होवे नीचे ठाम .
ये तो मुजसे कभु न होवे , उमत पर नबीन जावे.
उमत साथ दुनीया मे , मरते ताही रहु मै .
कबरमे जब जाउंगा , उमत साथ समाउंगा .
हसरके दीकुं कहुगा बात , उठुंगा मै उमत साथ.

जब मै जीनत मे जाउंगा , उमत साथ लेता आउं.
जब ये बात कर रहे तमाम , तब महमंद आलेही सल्लाम .
हीचकी खकरने पीहु , हकने लेकर सोप या जीहु .
आसमानपर जान उडा , तब दुनीयामे सोर पडा.
अरस कुरसी पैगंबर धुजे , अवर रोये गेमकर .
जुमी आसमान धुजे सारे , हजरत का गम करे.
चांद सुरज सीतारे सब , धुजे मीतका सुनीया जब.
झाड पाहाड जानावर सारे , हजरत पर रोये फुकार .
हजरतपर रोया दरीया , कुल जाहान मो सोर पडीया .
सब आलम ने गम खाया , सब कीसकुं मालुम आया.
सारोंने मीलकर कह्या युं , वाये मुसीबत सारोंकुं.
ऐसे बडे नबी हमारे , ईनपर हरदम जावो वारे .
दरुद नबीपर यारो पहडीयो , बफात नामेपर दील लगाईयो.
ये बफात नामा है महमंद साहेबका , कुरान माहेथी उताराथा .
नसीअत तुम ऐसी जानो , अल्ला महमंद अेक पछानो.
ईबफातनामा हुवा तमाम , अल्ला महमंद एक ईमाम.
बफात नामा संपुरन कहा , भने ईंद्रईमाशाह .
बफातनामा संपुरन समापत , भवे भवे हो मुनीवरा .
भाईये बफात नामा तमत तमामसु.
ये बफातनामा लीखीतंग , मुखी .
विठ्ठल राघो चौधरी . विटवे
मीती माध शु. २ . रोज रवीवार ता. ९/२/१९९७
'' रमजान ईद '' शके – १९१८ . संवत – २०५३ .

– संपुर्ण –